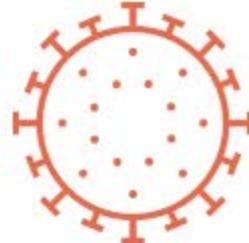


और शरणार्थी? प्रवासन और COVID-19 के बाद के तनाव कारक



सामान्य आबादी से ज्यादा शरणार्थियों में मनोवैज्ञानिक मुद्दों की खतरे और अधिक है।



एक महामारी का संदर्भ उनके मनोवैज्ञानिक संकटों को और संगीन कर सकता है।

COVID-19 के तनाव कारक

मीडिया में जानकारी की मात्रा



1

भाषा अवरोध: रोकथाम के उपायों और हकीकत की नासमझ

प्रवास के बाद की चुनौतियाँ

खुद संक्रमित हो जाने का या दूसरों को संक्रमित करने का डेर



2

पारिवारिक अलगाव: अपने देश में छोड़ गए रिश्तेदारों की चिंता

स्क्रीनिंग सेवाओं की प्रतीक्षा

स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच का अभाव: सिस्टम की नासमझ स्वास्थ्य कवरज (शरण चाहने वाले)

3

उदासी, बेबसी, निराशा



6

दर्दनाक अनुभवों: पिछले दर्दनाक घटनाओं की दुःखदायी यादें

रोकथाम की अवधि की अनिश्चितता

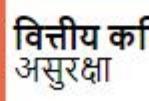
अनिश्चित आवास: भीड़, अस्वच्छ परिस्थितियाँ

अकेलापन: समर्थन की कमी



नौकरी खोना, टेलीवर्क

5



वित्तीय कठिनाइयों: खाद्य असुरक्षा

4

Sources:

Brooks S., Webster R., et al. (2020). «The psychological impact of quarantine and how to reduce it: rapid review of the evidence». *The Lancet*, vol. 395, pp. 912-920.

Hynie, M. (2018). «The social determinants of refugee mental health in the post-migration context: a critical review». *The Canadian Journal of Psychiatry*, vol. 63, n°15, pp. 297-303.

Li S. S. Y., Liddell B. J. et Nickerson A. (2016). «The relationship between post-migration stress and psychological disorders in refugees and asylum seekers». *Current Psychiatry Reports*, vol. 18, n°182, p. 9.